

શ્રીફળ - શુકન - સાથિયા - સાફો - સાજન - શરણાઈ  
બાલાના વરઘોડે વહાલ તણી વધાઈ

સ્નેહી સ્વજન શ્રી,

આજે અમારા જીવનમાં શુભ પ્રસંગ આવ્યો છે. મંગલમય અવસરના વધામણા લેવાનો  
અ.સૌ. .... અને ..... ના આત્મજ

ચિ. રાજ

સંગ

ચિ. વિદ્યા

(અ.સૌ. .... અને ..... ની આત્મજ )  
સાથે વિ.સં. .... ના શુભદિને લગ્નગ્રથિથી જોડાશે.  
લગ્નોત્સવમાં આપની ઉલ્લાસમય ઉપસ્થિતિ અમારા અવસરની શોભામાં અભિવૃદ્ધિ કરશે.  
આપને સહસ્વજન પધારવા નિમંત્રણ પાઠવીએ છીએ.

વરયાત્રા : .....

સ્વરૂચી ભોજન : .....

હસ્ત મેળાપ : .....

॥ શુભ સ્થળ ॥

.....  
.....  
.....

Code 1

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

श्री संवेदनाना साथिया, श्रीङ्ग छे संस्कारोनुं,  
लाडकीना वणामणां, शमणुसुभ सौभाग्यनुं,

आवकारना आसोपालव, आनंद के आंगणुं  
पांपण केरा पुष्पोथी, करशुं स्वागत आपनुं

स्नेही स्वजन श्री,

अम परिवारना संस्कारोनी सरवाणीथी सुशोभित..... लाडकवायी टिकरी

**चि. दीना**

(अ.सौ. .... तथा ..... नी आत्मज)

**चि. मिहिर**

(अ.सौ. .... तथा ..... ना आत्मज)

नी साथे पावनकारी मंत्रो अने कर्णमधुर गीतो त्र्या मंगल माडोलमां रेशमनी गांठे गूंथाशे.  
आ शुभ प्रसंगे नवदंपतिने आशिर्वाटथी नवाजवा आप सड स्वजनोने हृदयपूर्वक आवकारीअे छीअे.

शुभ दिवस : .....  
जन स्वागत : .....  
हस्त मेलाप : .....  
स्वयंयी भोजन : .....

॥ लग्न स्थल ॥

.....  
.....  
.....

Code 2

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

## मंगल परिणय

अवसरना तोरणे, लीला छम मांडवे, छेडा छेडीना बंधने, कमबद्ध पगलां मांडवा  
अेटले “सप्तपटीना सोपान”, आव्यो अमारें आंगणें रुडो अवसर....

आत्मीय स्नेही श्री,

**यि. साहिल**

(अ.सौ. .... तथा .....ना आत्मज)



**यि. डाय्या**

(अ.सौ. .... तथा .....ना आत्मज)

नी साथे संवत.....  
ना शुभदिने लग्न ग्रंथिथी जोडाशे. आ मंगल प्रसंगे नवयुगलने आशीर्वाद  
आपवा आपश्री सहकुटुंब पधारी आत्मारी करशोळ.

हस्त मेणाय : .....

स्वयंयि भोजन : .....

॥ शुभ स्थल ॥

.....

.....

.....

( आपना आशीर्वाद अे ज अमुत्य भेट )

Code 3

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

स्नेही स्वजन श्री,

धीरे धीरे उगलां लरती सासरीये दीकरी याकी, पिताना प्रेमनुं पानेतर पडेरी,  
मातानी ममतानुं मीढण बांधी, काका काकीनी लाडकी, पूजय दादा-दादीनी लाडकवायी पौत्री,  
भाई-भाभीना डेतनी मडेंदी मुकी, सेंथीना सिंदूरमां स्वप्न गुंथती, आजे मेलशे मीहुं मायडूं  
अने डसता झालशे हृदय साक्षीनो डाय लीलुडं वन केरी याद लईने, जशे व्हालमने संगाय

(अ.सौ. .... तथा श्री..... नी राजकुंवरी)

**यि. पायल**

संगे

**यि. साहिल**

(अ.सौ. .... तथा श्री..... ना राजकुंवर)

संवत ..... ना रोज शुभ मुहूर्ते  
प्रभुतामां पगला मांडशे. आ शुभ प्रसंगे नवदंपतिने आशीर्वाद आपवा माटे  
पधारी शोभामां अभिवृद्धि करशोळ.

॥ लि. स्नेहाधीन ॥

.....  
.....  
.....  
.....

Code 4

॥ श्री गणेशाय नमः ॥



आत्मीय स्वजन,

प्रसन्नताना रंगभेरंगी झूलो शोभावी रह्या छे उरना उपवनने,  
अने  
स्नेहसेतुथी बंधायेला, संस्कारना सथवारे जतन करायेला,  
----- परिवारना लाडकवाया

(अ.सौ. .... अने .....ना आत्मज)

**यि. ऋत्वीज**

संग

**यि. रूपल**

(अ.सौ. .... अने .....ना आत्मज)

ना शुभ लग्न संवत ..... ने .....ना  
रोज निरधार्या छे. ऋषि परंपरा द्वारा निर्मित दाम्पत्य जीवनना स्नेहाण पंथे प्रहरता  
आ नवदंपतीने आपना आशीर्वाद आत्मविश्वासमां उमेरो करशे.

हस्त मेलाप : .....

स्वयंरि भोजन : .....

॥ शुभ स्थल ॥

.....  
.....  
.....

( आपना आशीर्वाद ओ ज अमुद्य भेट )

**Code 5**